


२४/४/२५

परावर्षी वेळ ही वधिल अर्षीच इतुणसिंत।
 वधिल अर्षीच व अर्षीच को आवाज लग्नाई गई
 कोई इणसिंत नवी आया। उदायल समाई से पूर्व
 पुनः आवाज लग्नाई गई। कोई इणसिंत नवी आया,
 अतः परावर्षी अदम हजरी। महम पैरकी में स्कारिज
 ची गाली है। परावर्षी केवल कुमार ची गाकर नम्र
 से काम ची गोकें तथा काड लकमीच हासिल्य दफतर
 वे। निर्गप खुले न्यायालय सुनाया गया।


 अतिरिक्त कलक्टर
 शाहाबाद जिला बाँ